राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 18 फ़रवरी 2026
वर्ष 16, अंक 76, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात खबर का दमदार असरः बाजपेईपुर गांव पहुंचा जल निगम विभाग..03

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में कुमार भास्कर बर्मा सेतु का किया उद्घाटन..04

'हार्वर्ड जैसी सोच से प्रभावित': सीजेआई के जस्टिस चंद्रचूड़ की जेंडर स्टीरियोटाइप हैंडबुक में संशोधन के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार (11 फरवरी) को कहा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा तैयार की गई 'हैंडबुक ऑन कॉम्बैटिंग जेंडर स्टीरियोटाइप्स' हैंडबुक (लैंगिक पूर्वाग्रहों से बचने के लिए बनाई गई पुस्तिका) बलात्कार पीड़ितों और आम लोगों के लिए ज्यादा उपयोगी नहीं है. उन्होंने कहा कि यह किताब 'बहुत ज्यादा तकनीकी' है और 'हार्वर्ड जैसी सोच से प्रभावित' लगती है. उन्होंने संकेत दिया कि इस पुस्तिका को अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाने के लिए एक पैनल गठित किया जाएगा, जो इसमें आवश्यक संशोधन सुझाएगा। ज्ञात हो कि साल 2023 में पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की पहले से पुस्तिका को इस उद्देश्य से तैयार किया गया था कि न्यायाधीश पितृसत्तात्मक भाषा को पहचान सकें और उससे बच सकें. लेकिन वर्तमान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का मानना है कि यह अत्यधिक अकादमिक है और मुकदमेबाजों की जमीनी हकीकत से जुड़ा नहीं है. उन्होंने इस विषय में व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणियां उस स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान आई, जो 17 मार्च 2025 को दिए गए इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले से जुड़ा था. हाईकोर्ट ने कहा था कि 'स्तनों को पकड़ना' और महिला पीड़िता के पायजामे का कमरबंद तोड़ना बलात्कार का 'प्रयास' नहीं, बल्कि केवल बलात्कार की 'तैयारी' है. तैयारी और प्रयास के बीच किया गया यह अंतर कथित रूप से असंवेदनशील होने के कारण व्यापक आलोचना का विषय बना था।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष ही इस फैसले का संज्ञान लेते हुए उस पर रोक लगा दी थी और न्यायिक दृष्टिकोण पर चिंता व्यक्त की थी. मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने औपचारिक रूप से हाईकोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया और ट्रायल कोर्ट को आरोपियों के खिलाफ बलात्कार के प्रयास के आरोप में मुकदमा आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

पुस्तिका पर पीठ का मत

पीठ का मत है कि 30 पृष्ठों की इस पुस्तिका में यौन उत्पीड़न से जुड़े विभिन्न पहलुओं को अत्यधिक फॉरेंसिक और तकनीकी दृष्टिकोण से समझाया गया है, जिसे न तो पीड़िता, न उसके परिजन और न ही आम नागरिक आसानी से समझ पाएंगे. मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा, 'यह अत्यधिक हार्वर्ड-केंद्रित है।'

पीठ ने भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी - एनजेए) को निर्देश दिया कि वह विषय-विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और अधिवक्ताओं को शामिल करते हुए एक समिति गठित करे. यह समिति पूरे विषय की पुनर्समीक्षा कर नए दिशा-निर्देश तैयार करे और अपनी रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय को सौंपे।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में वकीलों की सहायता ली जाएगी, जिनमें एमिकस क्यूरी शोभा गुप्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फूलका शामिल हैं. पुस्तिका को अंतिम रूप दिए जाने के बाद एनजेए इसे उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए अध्ययन सामग्री के रूप में तैयार करे. न्यायाधीशों को चरणबद्ध तरीके से बुलाकर यौन उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई में अपेक्षित संवेदनशीलता के बारे में प्रशिक्षण दिया जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, 'सुप्रीम कोर्ट में बैठकर उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उपदेश देने से कोई लाभ नहीं. उन्हें राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए.' गौरतलब है कि पिछले वर्ष 26 मार्च को, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था और उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी. साथ ही, फैसले में झलक रही असंवेदनशीलता पर गहरी आपत्ति भी जताई थी। 16 अगस्त को जारी इस पुस्तिका में ऐसे अनेक शब्दों और वाक्यांशों की सूची दी गई है जो महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह या रूढ़ धारणाओं को मजबूत करते हैं. इनके स्थान पर अधिक संतुलित और तटस्थ भाषा के प्रयोग का सुझाव दिया गया है. उदाहरण के लिए, 'व्यभिचारिणी' जैसे शब्द के बजाय 'विवाह के बाहर संबंध रखने वाली महिला' जैसे वर्णनात्मक शब्दों के उपयोग की बात कही गई है. इसी प्रकार 'प्रेम प्रसंग' के स्थान पर 'विवाहेतर संबंध' शब्द के प्रयोग की अनुशंसा की गई है. पुस्तिका में यह भी सुझाव है कि कई अपमानजनक या नकारात्मक अर्थ वाले शब्दों - जैसे 'करिअर उन्मुखी महिला', 'पवित्र महिला', 'चरित्रहीन महिला', 'वेश्या', 'बदचलन महिला' - की जगह केवल 'महिला' शब्द का प्रयोग किया जाए, ताकि भाषा में निहित पूर्वाग्रह को कम किया जा सके।

मेघालय अवैध कोयला खननः 30 श्रमिकों की मौत के बाद एनजीटी ने सीपीसीबी, मुख्य सचिव को नोटिस भेजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- मेघालय में एक अवैध रैट-होल कोयला खदान के संचालन और हालिया विस्फोट के बाद हुई मौतों का स्वतःसंज्ञान लेते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरणीय कानूनों के उल्लंघन का हवाला देते हुए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और मेघालय सरकार को नोटिस जारी किए हैं. 5 फरवरी को पूर्वी जयंतिया हिल्स ज़िले के माइनसंगट-थांग्स्को इलाके में 100 फीट गहरी एक अवैध कोयला खदान में विस्फोट हुआ, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई. 10 फरवरी को अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक मृतक संख्या 18 से बढ़कर 30 हो गई है. 6 फरवरी को जारी अपने आदेश में भारत की शीर्ष हरित अदालत एनजीटी ने कहा कि (तत्कालीन) 18 मौतों के साथ 5 जनवरी को हुई यह घटना, जुलाई 2021 के बाद खनन से जुड़ी सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है. अदालत ने यह भी नोट किया कि कार्यकर्ताओं के अनुसार, राजनेताओं और अन्य प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में खदान मालिक अप्रैल 2014 में एनजीटी द्वारा कोयले के खनन और उसके परिवहन पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से काम करते रहे - जिसे

बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था।

ट्रिब्यूनल ने कहा, 'उपरोक्त मामला एनजीटी के आदेशों के उल्लंघन और अनुपालन न होने को दर्शाता है, जिसमें वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981, भारतीय वन अधिनियम, 1927 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 का उल्लंघन शामिल है.' ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा कि यह घटना 'पर्यावरण के नियमों के पालन और तय कानून के नियमों के कार्यान्वयन से जुड़े गंभीर मुद्दे' उठाती है. मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने मेघालय के मुख्य सचिव शकील पी. अहमद, दिल्ली स्थित सीपीसीबी और शिलांग स्थित उसके एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, तथा पूर्वी जयंतिया हिल्स जिला के उपायुक्त मनीष कुमार को नोटिस जारी किए. संबंधित प्राधिकरणों को 12 मई तक ट्रिब्यूनल के समक्ष जवाब दाखिल करना होगा।

इसके बाद 19 मई को इस मामले की सुनवाई होगी.

बता दें कि मेघालय में एनजीटी द्वारा साल 2014 में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी रैट होल खदानों में खनन जारी है. रैट होल खदान चूहों के बिल जैसी होती है, जिसमें संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जिसके भीतर मजदूर जाते हैं और कोयला निकालकर लाते हैं. क्षेत्र में अवैध कोयला खनन के कारण वर्षों से कई जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और सुप्रीम कोर्ट द्वारा बार-बार प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद यह सिलसिला जारी रहा है. तब ट्रिब्यूनल ने मेघालय सरकार - उसके मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक - दोनों से कहा था कि 'पूरे मेघालय राज्य में रैट-होल/अवैध खनन तत्काल रोका जाए और इस ट्रिब्यूनल के आगे के आदेश तक कोयले का कोई भी अवैध परिवहन न हो.' एनजीटी ने इस आदेश के पालन न होने पर बार-बार चिंता भी जताई है. 2024 में नगालैंड में एक अवैध रैट-होल कोयला खदान में छह मजदूरों की मौत के बाद एनजीटी ने नगालैंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और खनन विभाग सहित अन्य को इस उल्लंघन को लेकर फटकार लगाई थी।

संक्षिप्त ख़बरें

सरकारी डॉक्टरों से मारपीट मामले में बड़ा एक्शन, दो खिलाफ केस दर्ज

भदोही- जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र में एक सरकारी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) और चिकित्साधिकारी के साथ मारपीट और गाली गलौज करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। गोपीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) शैलेश कुमार राय ने बताया कि डॉक्टर असलम अंसारी और डॉक्टर अमित सिंह तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दस कर्मियों की शिकायत पर शनिवार देर शाम शिवांश पांडेय और अरविन्द पांडेय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने तहरीर के हवाले से कहा कि शनिवार दोपहर असलम अंसारी और अमित सिंह ओपीडी में मरीज़ों को देख रहे थे तभी गोपीगंज थाने के भवानी पुर निवासी शिवांश और अरविन्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी कक्ष में घुसे और दोनों डॉक्टरों के साथ गाली गलौज करते हुए हाथापाई करने लगे। पुलिस ने बताया कि इस घटना से वहां भारी अफरा तफरी फ़ैल गई और मरीज़ चले गए । करीब आधे घंटे तक सरकारी काम में बाधा पैदा हुई और सभी डॉक्टरों और अन्य कर्मियों के जमा होने पर दोनों आरोपी धमकी देकर चले गए। थानेदार ने बताया मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में कांग्रेस को मिली मजबूती, कई सोशल वर्करों ने थामा पार्टी का दामन

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम एवं सचिव सह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम की मौजूदगी में कई प्रबुद्ध लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष सबीह महमूद, गया के समाजसेवी सनउल्लाह खान, विस्फी के समाजसेवी मिस्बाहुल होदा (अरमान) तथा केवटी के अवकाश प्राप्त शिक्षक अब्दुल वाकी शामिल रहे। इस अवसर पर राजेश राम ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा देश को जोड़ने और समाज के हर वर्ग के सम्मान व अधिकार की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों का बढ़ता समर्थन बदलाव की चाह का संकेत है। निश्चित तौर पर कई प्रबुद्ध लोगों के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने से संगठन को मजबूती मिलेगी। शाहनवाज आलम ने सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया। नए सदस्यों ने पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नगर निगम में घपलाः विजिलेंस के पास पहुंची 135 करोड़ के टैंडरों में हुए फर्जीवाड़े की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- नगर निगम में 135 करोड़ की लागत से होने वाले विकास कार्यों के टैंडरों की आड़ में हुए फर्जीवाड़े की शिकायत विजिलेंस के पास पहुंच गई है। इस मामले के किंगपिन पटियाला से आकर अफसरों व नेताओं के करीबी बने एस.ई. शाम लाल गुप्ता व एक्सियन अरविंद को माना जा रहा है जिनके द्वारा 5 से 13 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों के लिए ग्रुप में टैंडर बनाकर ऐसी शर्तें लगाई जिन्हें चुनिंदा ठेकेदार ही पूरी करते थे। यह बात उस समय साबित हो गई, जब बड़े ठेकेदारों ने आपस में पूल करके बांटे गए इन टैंडरों में नाममात्र लैस डाला। हालांकि कुछ ठेकेदारों द्वारा बागी होकर ज्यादा लैस डाला गया लेकिन उन्हें शर्तें पूरी न करने का हवाला देते हुए आऊट कर दिया गया। इनमें से एक ठेकेदार द्वारा जहां लीगल नोटिस दिया गया है तो दूसरे ठेकेदार की तरफ से बाकायदा एफीडेविट के रूप में विजिलेंस को शिकायत दी गई है जिसमें एस.ई. शाम लाल गुप्ता व एक्सियन अरविंद पर शर्तों में मनमाने ढंग से बदलाव करने के अलावा बड़े ठेकेदारों का पूल सिरे चढ़ाने के लिए टैंडरों को 2 बार पैंडिंग करने का आरोप भी लगाया गया है।

फिरोजपुर रोड स्थित होटल में हुई है करोड़ों के घोटाले की सैटिंग

135 करोड़ के टैंडरों को लेकर एक और ठेकेदार द्वारा मेयर-कमिश्नर से लेकर सी.एम. व विजीलैंस को शिकायत की गई है जिसमें दावा किया गया है कि बडे ठेकेदारों को टैंडर देने के लिए ग्रुप बनाकर शर्तें लगाने की सेटिंग फिरोजपुर रोड स्थित होटल में हुई है जहां ठेकेदारों द्वारा आपस में बांटे गए टैंडर पास करने के बदले में नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के आफिसर 5 से 7 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं। इसके अलावा सड़कें बनाने के जो काम 35 से 40 फीसदी लैस पर हो रहे हैं उन टैंडरों को पूल के तहत 5 फीसदी लैस पर अलॉट करने से सरकार को करोड़ों का नुकसान होगा शिकायतकर्त्ता द्वारा इन आरोपों की पुष्टि के लिए टी.आई.सी. के अफसरों व टैंडरों में हिस्सा लेने वाले ठेकेदारों की कॉल डिटेल व लोकेशन चैक करवाने की मांग की गई है।

पहले एस.ई. पर हो चुकी है गिरफ्तारी की कार्रवाई

यह पहला मामला नहीं है जब नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के अफसरों पर टैंडरों की अलॉटमैंट की आड़ में करोड़ों का खेल करने के आरोप लगे हैं। जिसके तहत कुछ समय पहले एस.ई. संजय कंवर को रोज गार्डन की कायाकल्प के टैंडर में 10 फीसदी कमीशन मांगने के आरोप में विजीलैंस द्वारा गिरफ्तार किया गया था लेकिन इस कार्रवाई का नगर निगम की बी. एंड आर. ब्रांच के अफसरों पर कोई असर नजर नहीं आया जिनके द्वारा संजय कंवर की जमानत या बहाली होने से पहले ही पुरानी सैटिंग को सिरे चढ़ने के लिए रोज गार्डन की कायाकल्प के टैंडर को सीनियर डिप्टी मेयर के एतराज के बावजूद दोबारा जारी कर दिया गया है।

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग, सीपीआई (एम) ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कथित विवादित वीडियो को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सीपीआई (एम) ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। वरिष्ठ वकील निजाम पाशा ने इस मामले को देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष उल्लेख किया। वकील ने अदालत को बताया कि असम के मुख्यमंत्री द्वारा मुस्लिम समुदाय को लेकर कई विवादित बयान दिए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें मुख्यमंत्री को मुस्लिम टोपी पहने कुछ लोगों की ओर बंदूक से निशाना साधते हुए दिखाया गया है। वकील ने कोर्ट को यह भी बताया कि इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने इस पर अदालत के हस्तक्षेप की मांग की।

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि समस्या यह है कि जैसे ही चुनाव आते हैं, आधी चुनावी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाने लगती है। हालांकि, अदालत ने मामले को खारिज नहीं किया और कहा कि इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी सोमवार को असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ हैदराबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा के खिलाफ उस वीडियो के लिए तुरंत कार्रवाई की मांग की थी, जिसमें उन्हें मुसलमानों को गोली मारते हुए दिखाया गया था। हालांकि, बाद में उस वीडियो को डिलीट कर दिया गया था।

पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार के पास सीएम सरमा के खिलाफ मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को भड़काने के जानबूझकर और गलत इरादे वाले कामों के लिए शिकायत दर्ज कराते हुए, हैदराबाद सांसद ने असम के मुख्यमंत्री पर दो धार्मिक समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

यूपी में 'साथी पोर्टल' बनेगा किसानों का सुरक्षा कवच, QR कोड से खुलेगा गुणवत्ता का राज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज सुनिश्चित कराने और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा डिजिटल बदलाव करने जा रही है। प्रदेश सरकार ने आगामी अप्रैल माह से सभी बीज व्यवसाइयों के लिए 'साथी' (SATHI) पोर्टल पर संपूर्ण जानकारी अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बीज उत्पादन से लेकर किसान के हाथ में पहुँचने तक की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है, जिससे नकली बीजों की बिक्री और मिलावट पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

विशेष प्रशिक्षणः महाराष्ट्र और केंद्र की टीम ने सिखाए गुर

इस नई डिजिटल व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश कृषि विभाग ने व्यापक प्रशिक्षण अभियान चलाया है। कृषि निदेशालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार की तकनीकी टीम और महाराष्ट्र कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस दौरान महाराष्ट्र की उप

निदेशक (कृषि) डॉ. प्रीति सवाईराम ने अपने राज्य में इस पोर्टल की सफलता की कहानी साझा की और बताया कि कैसे इसके विभिन्न चरणों से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है।

मास्टर ट्रेनर्स की फौजः हर जिले में मिलेगी ट्रेनिंग

अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) अनिल कुमार पाठक के अनुसार, बीज उत्पादक संस्थाओं, एफपीओ (FPO) और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों को 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में तैयार किया गया है। ये ट्रेनर अब जिला स्तर पर थोक और फुटकर विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेंगे। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत विक्रेता पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं, जबकि शेष 30 प्रतिशत को अगले 15 दिनों के भीतर पंजीकरण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजीकरण में किसी भी समस्या के समाधान के लिए स्थानीय जिला कृषि अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

साथी पोर्टलः क्यूआर कोड से होगी गुणवत्ता की जांच

केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा विकसित 'साथी' (सीड ऑथेंटिकेशन, ट्रेसेबिलिटी एंड होलिस्टिक इन्वेंटरी) पोर्टल बीज की पूरी 'कुंडली' सामने रख देगा। इसके माध्यम से किसान बीज के पैकेट पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर बीज के स्रोत, उत्पादक एजेंसी और प्रमाणीकरण की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह तकनीक न केवल किसानों को धोखे से बचाएगी, बल्कि उन्हें अपनी फसल के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता के बीज चुनने में भी सशक्त बनाएगी।

दो चरणों में योजना का क्रियान्वयन

प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया था, जिसमें पहले दिन उत्पादक संस्थाओं व एफपीओ और दूसरे दिन थोक व फुटकर विक्रेताओं को शामिल किया गया। ये सभी प्रतिनिधि अब अपने-अपने जनपदों में डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क को प्रशिक्षित करेंगे, ताकि अप्रैल से समूचे प्रदेश में यह पारदर्शी प्रणाली पूरी क्षमता के साथ संचालित हो सके।

नरवणे विवाद का साइड इफेक्ट, बड़े अफसरों के किताब लिखने पर लग सकती है 20 साल की रोक, सरकार का प्लान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सेना और सरकार से जुड़े वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने को लेकर सख्त नियम लाने पर विचार किया जा रहा है. हिन्दुस्तान टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि सरकार एक प्रस्ताव पर मंथन कर रही है, जिसके तहत सेना के वरिष्ठ अधिकारियों समेत बड़े सरकारी पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद कम से कम 20 साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' तय किया जा सकता है. इस अवधि के पूरा होने से पहले वे अपनी किताब या संस्मरण प्रकाशित नहीं कर सकेंगे. अखबार के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है. यह पूरा घटनाक्रम पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है. इस किताब में अगस्त 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य टकराव के दौरान की घटनाओं को लेकर किए गए दावों ने बीते दो हफ्तों से संसद में तीखी बहस छेड़ रखी है।

सरकार की क्या राय?

हिन्दुस्तान टाइम्स के मुताबिक, केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को हुई बैठक में यह मुद्दा चर्चा में आया. हालांकि यह बैठक के आधिकारिक 27 सूत्रीय एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान

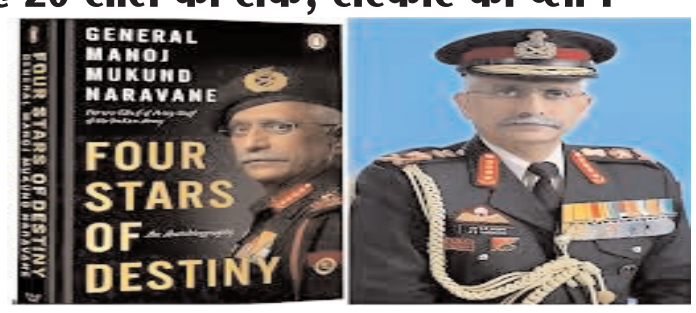

कई मंत्रियों ने राय दी कि प्रभावशाली पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक लंबा कूलिंग-ऑफ पीरियड जरूरी होना चाहिए. सूत्रों ने बताया कि इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

नरवणे की किताब को लेकर क्यों विवाद?

नरवणे की किताबको लेकर विवाद 2 फरवरी को तब और बढ़ गया, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में इस आत्मकथा का हवाला देने की कोशिश की. सरकार ने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि किताब अभी प्रकाशित ही नहीं हुई है. इसके बाद राहुल गांधी इस किताब की एक कॉपी लेकर संसद पहुंचे, ताकि यह साबित किया जा सके कि किताब मौजूद है. जल्द ही इस किताब की पीडीएफ सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी।

क्या कह रहा किताब का पब्लिशर?

इसके बाद प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि किताब का कोई भी हिस्सा, चाहे वह प्रिंट हो या डिजिटल, अवैध रूप से प्रसारित किया जा रहा है और यह कॉपीराइट का उल्लंघन है. प्रकाशक ने साफ किया कि वह ऐसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा. इस बयान से कुछ घंटे पहले ही दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्जकर जांच शुरू कर दी थी. इसके बाद मंगलवार को नरवणे ने भी चुप्पी तोड़ी और प्रकाशक के रुख का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी किताब न तो प्रकाशित हुई है और न ही किसी रूप में सार्वजनिक की गई है. बताया जाता है कि जनरल नरवणे की यह किताब जनवरी 2024 में प्रकाशित होनी थी. इससे पहले दिसंबर 2023 में समाचार एजेंसी पीटीआई ने इसके कुछ अंश प्रकाशित भी किए थे. उसी दौरान नरवणे ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा था कि उनकी किताब उपलब्ध है और इसके लिए एक ऑनलाइन प्री-ऑर्डर लिंक साझा किया था. अब इन्हीं तथ्यों को लेकर सरकार, विपक्ष और सुरक्षा तंत्र के बीच बहस और तेज हो गई है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी? कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं। आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे। दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है। तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है। आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।

भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी, तब भारत का भविष्य सचमुच स्वर्णिम बनेगा।

कांतिलाल मांडोत

जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी। निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभानी होगी। ऊर्जा की बचत जल का संयमित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता बढ़नी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के संतुलन को समझ सकें।

सिमटता वसंत केवल मौसम का बदलाव नहीं बल्कि चेतावनी है कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में ऋतुओं की पहचान धुंधली हो सकती है। वसंत का सुकून फिर लौट सकता है यदि मानव समाज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करे। यह समय चिंतन का भी है और संकल्प का भी ताकि भविष्य की पीढ़ियां केवल यादों में नहीं बल्कि वास्तविक अनुभव में भी वसंत की मधुरता महसूस कर सकें।

महाशिवरात्रि- शिव- शक्ति के मिलन और सृष्टि के संतुलन का उत्सव

महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं हैए बल्कि यह ब्रह्मांडीय चेतना के जागरण की वह दिव्य बेला है जब आकाश और पृथ्वी का मिलन होता है। भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति में शिव को श्अनादिश् और श्अनंतश् माना गया हैए जिनका न कोई आरंभ है और न ही कोई अंत। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आने वाली यह महान रात्रि उस परम शिव तत्व के साक्षात्कार का अवसर प्रदान करती है जो संपूर्ण सृष्टि के कण.कण में व्याप्त है। सामान्यतः त्योहारों को उल्लासए रंग और बाहरी चमक.धमक से जोड़ा जाता हैए किंतु महाशिवरात्रि एक ऐसी रात्रि है जो हमें अंतर्मुखी होने का संदेश देती है। यह अंधकार पर प्रकाश की विजय नहींए बल्कि उस गहन अंधकार की आराधना है जिससे प्रकाश का जन्म होता है। शिव का अर्थ ही श्कल्याणश् है और रात्रि का अर्थ श्विश्रामश् या श्निवृत्तिश् है। इस प्रकार महाशिवरात्रि का अर्थ है वह रात्रि जो हमें आध्यात्मिक विश्राम प्रदान कर परम कल्याण के मार्ग पर अग्रसर करती है। इस महापर्व की महत्ता को समझने के लिए हमें इसके पौराणिकए आध्यात्मिकए वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को एक अखंड प्रवाह में देखना होगा।

पौराणिक गाथाओं के अनुसार महाशिवरात्रि के साथ कई अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग जुड़े हुए हैं। सबसे प्रमुख कथा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की है। यह विवाह केवल दो सत्ताओं का मिलन नहीं हैए बल्कि यह पुरुष और प्रकृतिए वैराग्य और गृहस्थए तथा ध्यान और शक्ति के संतुलन का प्रतीक है। शिव जो परम योगी हैंए श्मशान निवासी हैं और सांसारिक मोह.माया से विरक्त हैंए वे देवी पार्वती के कठिन तप से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार करते हैं। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए संसार का त्याग आवश्यक नहीं हैए बल्कि संसार में रहते हुए भी अनासक्त भाव से शिव तत्व को प्राप्त किया जा सकता है। एक अन्य कथा के अनुसारए इसी रात्रि को ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता के विवाद को शांत करने के लिए शिव एक विशाल अग्नि स्तंभ यानी ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इस स्तंभ का न तो कोई छोर था और न ही कोई अंतए जो यह दर्शाता है कि ईश्वर किसी सीमा या परिभाषा में बंधा हुआ नहीं है। समुद्र मंथन की कथा भी इस रात्रि से गहराई से जुड़ी है। जब समुद्र से निकले हलाहल विष से पूरी सृष्टि जलने लगीए तब करुणावतार शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष की उस प्रचंड ऊष्मा को शांत करने के लिए देवताओं और ऋषियों ने रात्रि भर जल और दुग्ध से उनका अभिषेक किया और उन्हें जागृत रखा। यही कारण है कि आज भी भक्त रात्रि भर जागकर शिव का जलाभिषेक करते हैंए जो वास्तव में समाज के कष्टों को स्वयं पर लेने की शिव की उदारता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन है।

अध्यात्म की दृष्टि से देखा जाए तो महाशिवरात्रि का महत्व श्जागरणश् में निहित है। मनुष्य का जीवन प्रायः अज्ञान की निद्रा में बीता जाता हैए जहाँ वह अपनी देह और अहंकार को ही सत्य मान बैठता है। शिवरात्रि की रात्रि वह समय है जब प्रकृति स्वयं मनुष्य की चेतना को ऊपर उठाने में सहायक होती है। योग विज्ञान के अनुसारए इस विशिष्ट रात्रि में पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि मनुष्य के शरीर के भीतर की ऊर्जा स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर यानी रीढ़ की हड्डी के माध्यम से मस्तिष्क ;सहस्रार चक्रद्ध की ओर प्रवाहित होने लगती है। यही कारण है कि इस रात्रि में रीढ़ की हड्डी को सीधा रखकर बैठने और जागने का विधान है। जो साधक इस रात्रि में सजग रहता हैए वह अपनी कुंडलिनी शक्ति के जागरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकता है। यहाँ श्जागनेश् का अर्थ केवल आंखों को खुला रखना नहीं हैए बल्कि अपनी चेतना को विचारों और विकारों से मुक्त कर शून्य में ले जाना है। शिव स्वयं श्शून्यश् के प्रतीक हैंकृवह जो नहीं हैए वही शिव है। जब हम अपनी पहचानए अपने पदए अपने धन और अपने अहंकार को पूरी तरह विसर्जित कर देते हैंए तब हमारे भीतर शिव का प्राकट्य होता है। इसीलिए कहा गया है श्शिवो भूत्वा शिवं यजेत्श् अर्थात शिव बनकर ही शिव की पूजा की जा सकती है। महाशिवरात्रि की पूजन विधि भी अत्यंत प्रतीकात्मक और मनोवैज्ञानिक है। शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले पदार्थों का गहरा अर्थ है। जल चढ़ना मन की चंचलता को शांत करने का प्रतीक हैए जबकि दूध शुद्धता और सात्विकता का। शहद वाणी की मधुरता के लिए है और घी तेज के लिए। बिल्वपत्र के तीन दल मनुष्य के तीन गुणोंकृसत्वए रज और तमकृका प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव को ये तीनों दल अर्पित करने का अर्थ है कि हम अपने इन तीनों गुणों को ईश्वर के चरणों में समर्पित कर रहे हैं ताकि हम गुणातीत अवस्था को प्राप्त कर सकें। धतूरा और भांग जैसे पदार्थए जिन्हें समाज सामान्यतः त्याज्य मानता हैए शिव उन्हें भी स्वीकार करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि शिव की दृष्टि में कुछ भी अपवित्र नहीं है। वे उन सभी को शरण देते हैंजिन्हें दुनिया ठुकरा देती है। महाशिवरात्रि पर चार प्रहर की पूजा का विधान हैए जो मनुष्य के जीवन की चार अवस्थाओं और पुरुषार्थों को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। प्रत्येक प्रहर में किए जाने वाले विशिष्ट अभिषेक और मंत्रोच्चार भक्त के चित्त की परतों को साफकरते हैंए जिससे सूर्योदय तक वह एक नई ऊर्जा और स्पष्टता के साथ आत्मसात होता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर महाशिवरात्रि भारत की अखंडता और विविधता का जीवंत उदाहरण है। उत्तर में केदारनाथ और काशी विश्वनाथ से लेकर दक्षिण में रामेश्वरम तकए और पश्चिम में सोमनाथ से लेकर पूर्व में पशुपतिनाथ ;नेपालद्ध तकए पूरा भारतीय उपमहाद्वीप शिवमय हो जाता है। अलग.अलग राज्यों में इस पर्व को मनाने की अपनी विशिष्ट परंपराएँ हैं। कहीं शिव की बारात निकाली जाती है जिसमें लोग भूत.पिशाचों का वेश धारण कर नाचते हैंए जो इस बात का संदेश है कि शिव की छाया में हर प्रकार की विषमता और विचित्रता के लिए स्थान है। कहीं मंदिरों में शास्त्रीय संगीत और नृत्य के माध्यम से भगवान नटराज की स्तुति की जाती है। शिव केवल संहारक नहीं हैंए वे नृत्यए संगीतए व्याकरण और योग के आदि गुरु भी हैं। उनके डमरू से निकले चौदह महेश्वर सूत्रों से ही संस्कृत व्याकरण का जन्म हुआ। अतः यह रात्रि कला और ज्ञान के साधकों के लिए भी अत्यंत फलदायी मानी जाती है। आधुनिक समय में जब मानसिक तनाव और अवसाद एक बड़ी चुनौती बन गए हैंए तब महाशिवरात्रि का व्रत और ध्यान एक औषधि के समान कार्य करता है। उपवास शरीर को विषमुक्त ;डिटॉक्सद्ध करता हैए जबकि निरंतर मंत्र जप मन के बिखराव को रोकता है। नमः शिवाय यह पंचाक्षरी मंत्र केवल शब्दों का समूह नहीं हैए बल्कि यह पंचतत्वोंकृपृथ्वीए जलए अग्निए वायु और आकाशकृको संतुलित करने की एक ध्वनि तरंग है।

महाशिवरात्रि का दर्शन हमें वैराग्य और दायित्व के बीच संतुलन बनाना सिखाता है। शिव अपनी जटाओं में गंगा को धारण करते हैं जो पवित्रता का प्रतीक हैए मस्तक पर चंद्रमा धारण करते हैं जो शीतलता और समय का प्रतीक हैए और कंठ में विष धारण करते हैं जो सहनशीलता का प्रतीक है। उनके हाथ में त्रिशूल है जो इच्छाए ज्ञान और क्रिया शक्तियों के संतुलन का परिचायक है। यह स्वरूप हमें यह शिक्षा देता है कि एक आदर्श मनुष्य वही है जो विकट परिस्थितियों में भी अपना धैर्य न खोए और लोक कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहे। आज के भौतिकवादी युग में जहाँ गलाकाट प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ की प्रधानता हैए महाशिवरात्रि हमें श्सर्वजन हितायश् का मार्ग दिखाती है। शिव ने कभी महलों की कामना नहीं कीए वे खुले आकाश के नीचे बाघंबर ओढ़े हिमालय की चोटियों पर या श्मशान की राख में प्रसन्न रहते हैं। यह सादगी हमें सिखाती है कि सुख भौतिक वस्तुओं में नहीं बल्कि आंतरिक संतोष और आत्म.साक्षात्कार में है।

अंततः महाशिवरात्रि का यह पावन अवसर हमें आत्म.निरीक्षण की प्रेरणा देता है। यह वह समय है जब हमें अपने भीतर के कामए क्रोधए लोभए मोह और अहंकार रूपी अंधकार को पहचानना चाहिए और शिव की कृपा से उसे ज्ञान की अग्नि में भस्म कर देना चाहिए। जब तक हमारे भीतर श्स्वश् ;अहंकारद्ध जीवित हैए तब तक हम शिव के वास्तविक आनंद का अनुभव नहीं कर सकते। जैसे ही हम इस अहंकार की आहुति दे देते हैंए हम स्वयं शिव स्वरूप हो जाते हैं। महाशिवरात्रि की वह गहन काली रात वास्तव में एक अनंत संभावना की सुबह की ओर ले जाने वाली सीढ़ी है। यह हमें यह विश्वास दिलाती है कि चाहे जीवन में कितना भी बड़ा विष क्यों न आ जाएए यदि हम शिव के प्रति समर्पित हैंए तो वह विष भी अमृत में परिवर्तित हो सकता है। यह पर्व हमें शक्तिए भक्ति और मुक्ति का अद्भुत समन्वय प्रदान करता है। श्सत्यं शिवं सुंदरम्श् के इस शाश्वत मंत्र को अपने जीवन में उतारना ही इस महापर्व की सच्ची सार्थकता है। जो व्यक्ति इस रात्रि की महिमा को समझकर पूर्ण श्रद्धा के साथ इसमें डूबता हैए उसे न केवल मानसिक शांति प्राप्त होती हैए बल्कि उसे वह परम सत्य भी अनुभूत होने लगता है जो इस नश्वर संसार से परे है। हर हर महादेव का उद्घोष केवल कंठ से नहींए बल्कि आत्मा के गहरे तल से होना चाहिएए तभी इस महाशिवरात्रि पर हमारा वास्तविक पुनर्जन्म संभव है।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

सत्ता से सेवा तक का परिवर्तन नए भारत की कार्य संस्कृति का पवित्र प्रस्थान

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय का साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' में स्थापित होना केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि शासन की सोच और दिशा में ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह परिवर्तन उस मानसिकता से मुक्ति का संकेत है, जो कभी औपनिवेशिक शासन की संरचनाओं और प्रतीकों से जुड़ी थी। अब देश का शासन उस परिसर से संचालित होगा, जिसे सेवा की भावना के साथ राष्ट्र को समर्पित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सेवा तीर्थ केवल एक नाम नहीं, बल्कि यह संकल्प है। यह संकल्प है नागरिकों की अपेक्षाओं को सर्वोपरि मानकर शासन चलाने का, यह संकल्प है प्रशासन को जनसेवा का माध्यम बनाने का।

साउथ ब्लॉक, जो कभी ब्रिटिश हुकूमत के प्रशासनिक ढांचे का प्रतीक था, स्वतंत्र भारत में भी लंबे समय तक सत्ता का केंद्र बना रहा। किंतु बदलते समय के साथ यह आवश्यक हो गया कि शासन का ढांचा भी स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान को प्रतिबिंबित करे। सेवा तीर्थ इसी विचार का परिणाम है। यह नाम अपने आप में पवित्रता, समर्पण और उत्तरदायित्व का बोध कराता है। 'नागरिक देवो भव' का संदेश इसकी दीवारों पर अंकित है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि अब शासन का केंद्र बिंदु जनता है, न कि सत्ता का अहंकार।

सेवा तीर्थ का उद्घाटन ऐसे समय में हुआ जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। नए परिसर में पहले ही दिन जिन निर्णयों पर हस्ताक्षर हुए, वे इस बात के प्रमाण हैं कि यह भवन केवल प्रशासनिक औपचारिकताओं का स्थान नहीं, बल्कि संवेदनशील और त्वरित निर्णयों का केंद्र होगा। सड़क दुर्घटना पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा देना इस सोच का उदाहरण है कि किसी नागरिक की जान इलाज के अभाव में न जाए। अस्पताल तक पहुंचाने वाले को प्रोत्साहन देना सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने का प्रयास है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'लखपति दीदी' लक्ष्य को आगे बढ़ाना भी इसी सेवा दृष्टि का हिस्सा है। लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प सेवा तीर्थ से और सशक्त रूप में आगे बढ़ेगा। यह केवल आंकड़ों का लक्ष्य नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की सामाजिक संरचना को मजबूत करने का प्रयास है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार, समाज और अंततः राष्ट्र सशक्त होता है।

किसानों के लिए कृषि अवसंरचना को मजबूत करने हेतु ऋण लक्ष्य को दोगुना कर दो लाख करोड़ रुपये करना भी इस नई कार्यसंस्कृति का संकेत है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। सेवा तीर्थ से लिए गए ऐसे निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। संपूर्ण एग्रीकल्चर वैल्यू चेन को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है, जिससे उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था मजबूत होगी।

युवा उद्यमियों के लिए स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को दस हजार करोड़ रुपये के कॉर्पस के साथ स्वीकृति देना भविष्य की अर्थव्यवस्था की तैयारी है। तकनीक, उन्नत विनिर्माण और नवाचार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देकर भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति सुदृढ़ करेगा। सेवा तीर्थ से संचालित यह पहल दर्शाती है कि शासन अब केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं, बल्कि नवोन्मेष को भी समान महत्व दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतें ब्रिटिश शासन की प्रशासनिक जरूरतों के लिए बनी थीं, जबकि सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन जैसे परिसर भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निर्मित किए गए हैं। यह कथन शासन की मानसिकता में आए परिवर्तन को स्पष्ट करता है। अब निर्णय किसी शासक की सोच को लागू करने के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए होंगे।

सेवा तीर्थ का निर्माण प्रशासनिक दक्षता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। वर्षों से दिल्ली में विभिन्न मंत्रालय अलग-अलग इमारतों में संचालित हो रहे थे, जिन पर भारी किराया व्यय होता था। कर्मचारियों की आवाजाही में समय और संसाधनों की हानि होती थी। नए परिसर के माध्यम से इन खर्चों में कमी आएगी, समय की बचत होगी और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। यह कदम आर्थिक अनुशासन और सुशासन का उदाहरण है।

इस परिवर्तन को व्यापक संदर्भ में देखें तो यह गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के अभियान का हिस्सा है। पहले रेसकोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और पुलिस स्मारक जैसे निर्माण किए गए। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान को स्थापित करना है। सेवा तीर्थ उसी श्रृंखला की कड़ी है, जहां नामकरण भी विचारधारा और दृष्टिकोण का द्योतक बन जाता है।

देश के विकास के साथ जुड़ता सेवा तीर्थ का नाम अपने आप में उन्नति की निशानी है। यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है। यहां से लिए गए निर्णय प्रशासनिक फाइलों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित करेंगे। यह स्थल शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील बनाने की दिशा में प्रेरित करेगा।

नए भारत की पहचान केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति के परिवर्तन से भी बनती है। सेवा तीर्थ इस परिवर्तन का जीवंत उदाहरण है। यह सत्ता के केंद्रीकरण से सेवा के विकेंद्रीकरण की यात्रा है। यहां से उठने वाली हर पहल नागरिकों के विश्वास को मजबूत करेगी और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को गति देगी।

सेवा तीर्थ उस विचार का प्रतीक है जिसमें शासन स्वयं को जनता का सेवक मानता है। जब कार्यस्थल ही सेवा का संदेश देता हो, तो निर्णयों में संवेदनशीलता स्वाभाविक हो जाती है। विकसित भारत की कल्पना केवल योजनाओं और नीतियों में नहीं, बल्कि ऐसे ही प्रेरक प्रतीकों में भी साकार होती है। सेवा तीर्थ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आने वाले वर्षों में भारत की प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर

संक्षिप्त खबरें

दधीचेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि की तैयारियां जोरों पर

मिश्रिख़ (सीतापुर) मिश्रिख स्थित पौराणिक दधीचि कुंड पर अवस्थित दाधिचेश्वर महादेव मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर में रंजाई-पुताई, आकर्षक सजावट एवं साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को भव्य एवं दिव्य वातावरण में भगवान शिव के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो सके।मंदिर के प्रधान पुजारी राहुल शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों की संख्या में भक्तजन दूर-दराज से बाबा भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। इस पर्व को बड़े ही धूमधाम, भक्ति भाव और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मिश्रिख पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहती है और किसी भी प्रकार का अराजक तत्व उपद्रव नहीं कर पाता। प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

यात्री ध्यान दें! 30 मार्च तक बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत इन ट्रेनों का संचालन ठप, रेलवे ने कई का बदला टर्मिनल

लखनऊ। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण 30 मार्च तक उस रूट की ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। ट्रेन 22921 22921 बांद्रा - गोरखपुर एक्सप्रेस 30 मार्च तक बलरामपुर में निरस्त होगी। 22922 गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोरखपुर की जगह बलरामपुर से चलेगी। 11055 एलटीटी - गोरखपुर एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोंडा तक ही चलेगी। 11056 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोरखपुर से गोंडा के बीच निरस्त रहेगी। 20103 एलटीटी - गोरखपुर एक्सप्रेस 15 फरवरी तक आजमगढ़ और 16 फरवरी से 29 मार्च तक भटनी स्टेशन तक ही चलेगी। 20104 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 16 फरवरी तक आजमगढ़, 17 फरवरी से 30 मार्च तक भटनी से चलेगी। 19409 साबरमती-गोरखपुर एक्सप्रेस 29 मार्च तक थावे तक चलेगी। 19410 गोरखपुर-साबरमती एक्सप्रेस 29 मार्च तक थावे से प्रारंभ होगी। 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस 27 मार्च तक बढ़नी तक संचालित होगी। 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस 28 मार्च तक बढ़नी से चलाई जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सैदुन शाह, पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद अशफाक , निवासी 2- कसबाती टोला, खैराबाद, जनपद सीतापुर, जो कि फ्लैट नंबर S D/803 Q - ब्लॉक शारदा अपार्टमेंट, सेक्टर-4, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ की स्वामिनी हूँ। उक्त फ्लैट की मूल रजिस्ट्री जिसका क्रमांक संख्या 10085 , जो कि दिनांक 28.06.2016 को हुई थी, उसका अंतिम पेज (दफा 60) इसी फ्लैट का सेल एग्रीमेंट, जो मेरे पति व ब्रजमोहन शिवहरे के मध्य दिनांक 20.03.2013 को हुआ था, जिसका क्रमांक संख्या 4158 है उसकी मूल प्रति व उक्त फ्लैट का मूल कब्जा पत्र, उपरोक्त तीनों कागज़ात वास्तव में कहीं खो गया है।

स्वतंत्र प्रभात खबर का दमदार असर: बाजपेईपुर गांव पहुंचा जल निगम विभाग

● जल जीवन मिशन के तहत 40म40 भूमि पर एन सी सी कंपनी करेगी टंकी निर्माण!

12 साल से बंद पड़ी पानी टंकी की और ग्रामीणों की समस्या को स्वतंत्र भारत ने प्रमुखता से छापा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संदीप कुमार-फिजा

लालगंज रायबरेली। शुद्ध पेयजल की भारी किल्लत से जूझ रहा विकासखंड लालगंज की पंचायत सोंडासी का बाजपेईपुर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजना से बनी पानी टंकी ध्वस्त होने के कारण करीब 12 साल से बंद पड़ी है जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा प्रदर्शन किया गया और समस्या का समाधान न होने पर चुनाव बहिष्कार की बात कही गई थी उपरोक्त समस्या को हिंदी दैनिक अखबार स्वतंत्र प्रभात ने अपने 3 नंबर अंक में शुक्रवार 13 फरवरी को प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसके बाद कुंभकरणी नींद में सो रहा जल निगम विभाग के सरकारी हुक्मरान जागे और आवाम के बीच पहुंचकर समस्या से रूबरू हुए विभागीय अधिशासी अभियंता सचिन कुमार एन सीसी कंपनी हैदराबाद के इंजीनियर अनंजय कुमार, नीरज सिंह ने लेखपाल अमर बहादुर सिंह तथा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामकुमार यादव की उपस्थित में जल जीवन मिशन के तहत ग्राम बाजपेईपुर में पानी टंकी का नवनिर्माण कराए जाने को लेकर जमीन का चयन किया गया जहां पर नवीन परती जमीन गाटा संख्या 450 रकबा करीब डेढ़ बीघा में सामुदायिक केंद्र बना हुआ है तथा उक्त रकबा में से 40 म40 भूमि जमीन में टंकी निर्माण कार्य किए जाने को लेकर प्रस्ताव बनाया गया संबंधित विभागीय अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया उक्त चयनित भूमि में टीडीएस की मात्रा 815 पाई गई है और पानी टंकी निर्माण उक्त भूमि में ही स्थापित किया जाएगा जो निर्माण कार्य एनसीसी कंपनी हैदराबाद के द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है इस मौके पर राजकुमार बाजपेई, ओम नमः शिवाय, विनोद बाजपेई, महेश दीक्षित, अभिषेक शुक्ला, कोटेदार विजय बहादुर सोनकर, मनीष यादव, दुर्गेश तिवारी, आनन्द मिश्रा आसाराम नई सहित ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विभाग द्वारा निर्माण कार्य मे तेजी लाते हुए जल्द से जल्द व्यवस्था सुलभ कराई जाए ताकि हम ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

महाशिवरात्रि की तैयारी पूरी बालेश्वर मंदिर का एस डी एम ने क्या निरीक्षण

● महाशिवरात्रि पर बालेश्वर मंदिर में लगता है भक्तों का तांता जनपद के साथ गैर जनपदों से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज रायबरेली। आगामी महाशिवरात्रि को लेकर तहसील क्षेत्र के ऐहार स्थित बाल्हेमऊ में सुप्रसिद्ध शिव मंदिर बाल्हेश्वर में तैयारी को लेकर उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येंद्र सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और मेला परिसर क्षेत्र का जायजा लेने के साथ मिली खामियों पर निर्देशित करते हुए व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि ऐहार राजेश फौजी मौजूद रहे तथा जन कल्याण समिति के महामंत्री कीर्ति मनोहर शुक्ला ने बताया की कानपुर के कलाकारों द्वारा सोमवार को श्री बाल्हेश्वर महादेव काअद्भुत श्रंगार किया जाएगा जिसका पट अनावरण पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह द्वारा किया जाएगा विधायक द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रांगण में सुंदर टीन सेट लगवाया गया है साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशांत कुमार मिश्रा महाप्रबंधक रेल कोच और उपजिलाधिकारी डलमऊ सत्येंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे जानकारी के मुताबिक लाखों दर्शनार्थियों के आने की संभावना है पुलिस प्रशासन और कार्यकर्ताओं के सहयोग से मेला व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाएगी

ऐतिहासिक मानता घूमता मंदिर का त्रिशूल

मंदिर के पुजारी व क्षेत्र के जानकार लोगों को मानना है कि बाल्हेश्वर महादेव मंदिर में चमत्कारिक शक्ति है उसके गुंबद का त्रिशूल सूर्य के साथ घूमता है और आने वाले भक्तों की मनौतियां पूर्ण होती हैं। मंदिर के संबंध में मंदिर कमेटी श्री बाल्हेश्वर सेवा समिति के अध्यक्ष श्री राम शंकर तिवारी ने बताया की यह परिसर हमारे पूर्वजों का था किसी समय घना जंगल था एक गाय नित्य घने जंगल में आकर अपना दूध गिरा देती थी पता लगाने पर वहां शिवलिंग पाया गया इसी स्थान पर हमारे पर बाबा श्री राम सहाय तिवारी द्वारा भव्य

मंदिर, सरोवर एवं दुर्गा मंदिर का निर्माण कराया गया तथा पुजारी एवं मालियों की व्यवस्था की गई तब से हमारे परिवार के लोग इसकी देखरेख करते आ रहे हैं धार्मिक सामाजिक लोगों को जोड़कर के श्री बाल्हेश्वर सेवा समिति का निर्माण किया गया जो मंदिर कमेटी के रूप में देखरेख करती है। मुख्य पुजारी झिलमिल महाराज ने बताया कि रविवार को प्रातः 3:00 बजे से जलाभिषेक प्रारंभ हो जाएगा तथा देर रात तक चलता रहेगा अत्यधिक भीड़ के कारण भक्त केवल जलाभिषेक ही कर पाएंगे रुद्राभिषेक आदि विशेष पूजा इस दिन नहीं हो पाएंगे।

जीआरसी पर हुआ किसान प्रदर्शनी का आयोजन,जैविक खेती को लेकर किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख़ (सीतापुर) मिश्रिख क्षेत्र के सेमरा भिठौली गांव में स्थित एकल ग्रामोद्योग फाउंडेशन द्वारा किसान प्रदर्शनी मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को शुद्ध देशी खेती एवं ऑर्गेनिक खेती की आधुनिक और लाभकारी विधियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक खाद, बिना रसायन खेती, बीज संरक्षण तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं किसानों द्वारा लगाए गए विभिन्न कृषि उत्पादों और नवाचारों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही।

प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिससे किसानों का उत्साह बढ़ा और उन्हें आगे बेहतर खेती के लिए प्रेरणा मिली।मेले में मुख्य अतिथि के रूप में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र मिश्रा तथा मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव उपस्थित रहे। अतिथियों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होती है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आनंद त्रिवेदी, उमेश चंद्र अग्रवाल अध्यक्ष चैप्टर समिति, सुधीर सिंह,नागेंद्र सिंह, सुभाष साह,अर्जुन शर्मा, विपिन वैश्य, शिवेंद्र पांडेय,रितेश पांडेय, कमलेश सिंह, नीरज वर्मा,आलोक सिंह, अंकित शुक्ला,अंकुर सिंह,संतोष गुप्ता, अकाश जी, आनंद मिश्र, अजय चन्द्र, पवन वर्मा, दुर्गा प्रसाद, राकेश अवस्थी, अर्जुन शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, डॉ. सागर, विजय वैश्य, नागेन्द्र सिंह, शिवेंद्र पाण्डेय, शीतल पाण्डेय, कमलेश सिंह, नीरज वर्मा, आलोक सिंह, टीपी सिंह, राजकुमार सोनी, देवेंद्र नंदवंशी, मोहित शुक्ला, अनिल बंशल, हरिनाम सिंह सहित सैकड़ो किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

32 कर्मचारियों की क्यों कट गई सैलरी? यूपी बोर्ड परीक्षा से पहले लखनऊ में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। आगामी 18 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 32 परिचारकों का एक दिन का वेतन रोक दिया गया है। इन सभी की ड्यूटी राजकीय जुबिली इंटर कालेज में परीक्षा सामग्री आदि के वितरण में लगाई गई थी।

संबंधित कालेजों के प्रधानाचार्य को इन परिचारकों को 14 व 15 फरवरी को सुबह आठ बजे राजकीय जुबिली इंटर कालेज में उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन ये सभी 13 फरवरी को उपस्थित नहीं हुए। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने इसे लापरवाही मानते हुए विभिन्न एडेड इंटर कालेजों के 32 परिचारकों का एक दिन का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया है। इनमें एपी सेन कालेज, अग्रसेन इंटर कालेज चौक, अमीरूद्दौला इंटर कालेज, आर्य कन्या इंटर कालेज, बीएन वोकेशनल इंटर कालेज सहित अन्य कालेज शामिल हैं।

आरज़ू पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह भावुक माहौल में संपन्न

● ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मिसाल बने आयोजन में बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सम्मान और विदाई के पलों में दिखे भावनात्मक पल

ग्रामीण अंचल में शिक्षा का उत्सव बना वार्षिकोत्सव, विदाई समारोह में छलकीं भावनाएँ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर विकास खण्ड परसेंडी की ग्राम पंचायत नरसोही अंतर्गत लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर स्थित शाहमहोली गांव में संचालित आरज़ू पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विदाई समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ। ग्रामीण परिवेश में आयोजित यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत, लघु नाटिका और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अभिभावक देर तक तालियाँ बजाने को मजबूर हो गए। बच्चों के आत्मविश्वास और मंचीय प्रस्तुति ने यह स्पष्ट कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। विद्यालय की स्थापना वर्ष 2020 में ग्रामीण क्षेत्र शाहमहोली में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से प्रबंधक रहीस अहमद द्वारा की गई थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उनका उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। प्रधानाध्यापक संजय कश्यप ने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और कहा कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विदा हो रहे विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा और जीवन यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब अध्यापिका अमिता सिंह ने बच्चों के सम्मान में विदाई गीत प्रस्तुत किया। गीत सुनते ही

कई बच्चों और अभिभावकों की आँखें नम हो गईं, मानो विद्यालय एक परिवार बनकर सबको जोड़ चुका हो।

इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक व अध्यापिकाएँ, बड़ी संख्या में अभिभावकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक संदेश के साथ हुआ कि शिक्षा ही वह दीपक है जो गांव से शहर तक अंधकार को दूर कर सकता है।

थाना समाधान दिवस में 12 शिकायतें चार का मौके पर निस्तारण

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी ने की। इस दौरान कुल 12 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें चार मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के लिए बीट दरोगा और राजस्व कर्मियों की संयुक्त टीम बनाई गई। टीमों को मौके पर जाकर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कान्हमऊ गांव निवासी कौशल किशोर त्रिवेदी ने शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके घर के सामने गांव की एक महिला और उसके पति ने जबरन मिट्टी का ढेर लगाकर कब्जा कर लिया है। कई बार शिकायत के बाद भी चबूतरा नहीं हटाया गया। नगर के कोरिहई मोहल्ला निवासिनी शांति दास ने मोहल्ले के सात लोगों पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि समझौता हुआ था कि हल्का लेखपाल से नाम कटवा लिया जाएगा, लेकिन आरोपी मान नहीं रहे हैं। सीओ अमित सिंह, प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिंह व इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह मौजूद रहे।

दिल्ली में तीन दिवसीय 'गो-भक्त महिला सम्मेलन' का भव्य समापन नारी शक्ति ने लिया गो-संरक्षण का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय गोवंश रक्षण-संवर्धन परिषद (विश्व हिंदू परिषद-गोरक्षा विभाग द्वारा छतरपुर, दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय 'गो-भक्त महिला सम्मेलन' का भारी उत्साह और संकल्प के साथ समापन हुआ। समापन सत्र में संगठन के शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व और देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भारतीय नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की अग्रणी भूमिका पर बल दिया। समापन समारोह में विहिप और गोरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे, श्री स्थाणुमलयन जी, केंद्रीय संयुक्त महामंत्री, विश्व हिंदू परिषद दिनेश उपाध्याय जी, राष्ट्रीय गोरक्षा प्रमुख। डॉ. गुरु प्रसाद जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय गोवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद हुकुमचंद सावला जी, राष्ट्रीय संरक्षक, भारतीय गोरक्षा, डॉ. माधवी गोस्वामी जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय गोवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद, श्रीमती नंदिनी भोजराज जी, राष्ट्रीय गो- भक्त

महिला प्रमुख कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय संयुक्त महामंत्री श्री स्थाणुमलयन जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ और गौरी नारी दोनों पूजनीय हैं। जब मातृशक्ति गो-सेवा का बीड़ा उठाती है, तो वह कार्य निश्चित ही सिद्ध होता है। राष्ट्रीय गोरक्षा प्रमुख श्री दिनेश उपाध्याय जी ने देश के प्रत्येक जिले और प्रखंड स्तर पर गो-भक्त महिलाओं की टोलियाँ बनाने का आह्वान किया श्रीमती नंदिनी भोजराज जी ने सम्मेलन के निष्कर्ष साझा करते हुए बताया कि इन तीन दिनों में महिलाओं को गो-उत्पाद जैसे पंचगव्य धूप, खाद के निर्माण और उनके आर्थिक महत्व के बारे में प्रशिक्षित किया गया है,ताकि वे स्वावलंबी बनकर गो-सेवा कर सकें।

ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट ने ऑनलाइन बेटिंग ऐप के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें नेपाली नागरिक भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से गौतमबुद्धनगर के विभिन्न स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।

एसटीएफ के अनुसार, यह गिरोह ऑनलाइन बेटिंग ऐप चलाकर लोगों को लुभाता था और उनसे ठगी करता था। आरोपियों ने कॉल सेंटर के रूप में नेटवर्क संचालित किया था, जिसमें वीपीएन और फर्जी ई-मेल आईडी का इस्तेमाल कर विदेशी नागरिकों (अमेरिका, बांग्लादेश आदि) से भी ठगी की जा रही थी। जांच में पता चला कि 23 जनवरी को गौतमबुद्धनगर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल प्राप्त हुए थे।

इन ई-मेल की तकनीकी जांच से एसटीएफ को गिरोह तक पहुंचने में सफलता मिली। धमकी वाले ई-मेल अमेरिका से भेजे गए थे, जबकि रिकवरी मेल का लिंक बांग्लादेश से जुड़ा था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमीष जंग कारकी (नेपाल), अनन्त कुमार (आगरा), दिव्याशु (बिहार), साहिल कुमार (बिहार), लेखनाथ शर्मा (नेपाल) और केदारनाथ (नेपाल) के रूप में हुई है। इनके कब्जे से कुल 22 मोबाइल फोन, 04 लैपटॉप, 02 नेपाली पासपोर्ट, 01 पैन कार्ड, 02 कूटरचित आधार कार्ड, 01 नेपाली नागरिकता पहचान पत्र तथा नकद 19,500 रुपये बरामद किए गए हैं।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्र ने बताया कि यह गिरोह संगठित रूप से ठगी कर रहा था और स्कूलों को धमकी देकर दहशत फैलाने का भी प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा आगे की जांच में और खुलासे होने की संभावना है। इस मामले में साइबर क्राइम एक्ट, भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसटीएफ ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध ई-मेल या कॉल पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। यह कार्रवाई एसटीएफ की 'क्राइम के खिलाफ 24/7' मुहिम का हिस्सा है।

56 नए अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट पुलिस करेगी निगरानी, अपराध पर लगाम लगाने की पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर वर्ष 2026 में महज डेढ़ महीने में अब तक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए 56 अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है इन सभी हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर संबंधित थानों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार, सूचीबद्ध अपराधियों का आपराधिक इतिहास गंभीर प्रकृति का है। इनके खिलाफ मारपीट, नकबजनी, चोरी, वाहन चोरी, लूट, अवैध शस्त्र रखने, मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज रहे हैं। जिले के रामकोट, सकरन, मानपुर, रेउसा, महमूदाबाद, रामपुर मथुरा, कमलापुर, पिसावां, थानगांव, बिसवां, हरगांव, मछरेहटा, मिश्रित और कोतवाली देहात सहित कई थानों में नए हिस्ट्रीशीटर चिन्हित किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि इन

अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे। सीतापुर पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। लगातार निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और सख्त कानून व्यवस्था के जरिए जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है!!

लखनऊ में मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार का गला कटा, नीचे गिरने पर पत्नी और बेटी घायल

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के आदेशों के बावजूद शहर में जानलेवा मांझे पर लगाम नहीं लग पा रही है। नतीजतन, आए दिन लोग इसकी चपेट में आने से घायल हो रहे हैं। शनिवार को एक बार फिर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार की गर्दन कट गई। बाइक पर पीछे बैठी उनकी पत्नी और चार महीने की बच्ची सड़क पर गिरने से घायल हो गई। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आई। पीड़ित ने मांझे की बिक्री और इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। हुसैनगंज निवासी मुशर्रफ मजदूरी करते हैं। मुशर्रफ ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह बाइक से पत्नी नेहा और चार महीने की बेटी परवाह को लेकर ऐशबाग पुल पर जा रहे थे। पुल के ऊपर अचानक उनके गले में धारदार मांझा आकर फंस गया। वह कुछ समझ पाते इसके पहले ही मांझे ने गर्दन रेत दी।

खैराबाद ब्लॉक के बच्चों का भ्रमण दल पहुंचा लखनऊ के चिड़ियाघर

● आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है हमें अपने बच्चों को विज्ञान की ओर ले जाना होगा:- संतोष कुमार मिश्रा खंड शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर आज के आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है बच्चों को नए-नए आविष्कारों तथा नई खोज के बारे में बताना और नए-नए प्रयोग करने से बच्चों के शैक्षिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को स्वास्थ्य पर्यावरण सामाजिक और वैज्ञानिक शिक्षा प्रदान करना बहुत आवश्यक है उक्त उद्गार खैराबाद ब्लॉक के बेसिक स्कूलों के बच्चे एक्सपोजर विजिट के लिए नवाब वाजिद अली प्राणि उद्यान लखनऊ जू में उपस्थित थे, जिन्हें संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने कहीं इस अवसर पर ब्लॉक खैराबाद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं समस्त ए आर पी तथा शिक्षक गण

उपस्थित थे ज्ञात रहे की अक्टूबर माह में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया था जिसमें 101 बच्चों को चयनित किया गया था चयन प्रक्रिया में जिन बच्चों के 12 अंक तक आए थे उन्हें विजिट में ले जाने के लिए चयनित किया गया उसी क्रम में महानिदेशक बेसिक शिक्षा के आदेशानुसार संपूर्ण जनपद के ब्लॉकों से बच्चे विजिट के लिए भेजे गए खैराबाद से 100 छात्र छात्राओं ने विजिट में प्रतिभाग किया और विज्ञान एवं सामान्य जानकारी को प्राप्त किया खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने सभी बच्चों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी बच्चों के साथ टीम में जाने वाले आरपी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष कुमार ,वीरेंद्र कुमार,पूनम बाजपेई, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ खैराबाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन, मंत्री जहीर आलम अंसारी, प ,शशि बाला ,सुशील कुमार गुप्ता, राज कुमार, रिंकू कुमार, अज़हर फातिमा, अभिषेक मिश्रा, अनामिका पटेल,मोहम्मद फारूक,प्रमोद कुमार, विनीता शुक्ला, रमेश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे। बच्चों को एक एक बैग और पानी बोतल नाश्ते का अच्छा सामान तथा दोपहर में लंच पैकेट दिए गए तथा बच्चों व स्टाफ को आइस क्रीम भी खिला कर आनंदित किया गया।अंत में खण्ड शिक्षाअधिकारी संतोष कुमार मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में नियमों के उल्लंघन अवैध रूप से चलाए जा रहें ई-रिक्शा पर लगेगा लगाम

नई दिल्ली। दिल्ली में ई रिक्शा यातायत जाम, अनियंत्रित ड्राइविंग और हादसों के कारण बड़ी मुसीबत बन गए हैं, दिल्ली में ई रिक्शा की वजह से होने वाले सड़क हादसों में कई लोगों की मौत हो चुकी है, राजधानी दिल्ली में नियमों के उल्लंघन अवैध रूप से चलाए जा रहे ई रिक्शा लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए है।चालक के पास व्यावसायिक लाइसेंस होना जरूरी है, लेकिन बेहद कम चालकों के पास लाइसेंस है। यह भी देखा गया है कि नाबालिग ई-रिक्शा चला रहे हैं। बता दें कि दिल्ली परिवहन विभाग ने अवैध रूप से चल रहें करीब पांच हजार ई-रिक्शा जब्त किए हैं। ज्यादातर ई-रिक्शा को विभाग की ओर से नष्ट भी करा दिया गया है। वहीं राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए आफत बनते जा रहे हैं। मैट्रो स्टेशन,बस स्टैंड व प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा का जमावड़ा इतना हो गया है कि जाम से अन्य वाहन चालकों को जुझना पड़ता है।अब इन ई-रिक्शा को व्यवस्थित करने के लिए दिल्ली सरकार नीति बनाने पर विचार कर रही है।दिल्ली की अधिकांश, प्रमुख सड़कों पर ई-रिक्शा बंद है। जिसके बाद भी ई-रिक्शा चालक रोजाना नियम तोड़ते हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरह से ट्रैफिक के विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर कई ई-रिक्शा के चालान काटे गए हैं।

समाधान दिवस की बैठक आयोजित हुई

सिद्धार्थनगर, थाना त्रिलोकपुर के परिसर में शनिवार को समाधान दिवस की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय की ने। जो विभिन्न प्रकार के मामले पड़े हुए थे। उसकी सुनवाई के समय सुनियोजित किया गया आपसी बातचीत के द्वारा निपटाने का काम करने के लिए विशेष ध्यान आकृष्ट करते हुए देखा गया कुछ मामलों में सीमित गठन करके भेजा गया। एक मामले आए उस मामलों को थाने पर निपटाया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय, चौकी बिजोरा जय प्रकाश, उपनिरीक्षक शिव नारायण सिंह, शिवाकांत राय, तालीमुनदीन खान, गणेश कुमार, विजय कुमार, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विशेश्वर प्रसाद, हेड कांस्टेबल इंदरजीत सिंह, एहतेशन अहमद, सागर जायसवाल, नितिन पाठक, सत्य प्रकाश यादव,राजस्व निरीक्षक मो फारुक हल्का लेखपाल पन्ना लाल यादव, संदीप राम त्रिपाठी,प्रभा कांत मौर्य, राम गोपाल श्रीवास्तव, राम कुमार तिवारी, देवी लाल गिरि, राज कुमार सिंह चौहान, सिद्धार्थ कुमार, दानिश ,विजय कुमार, शिवकुमार क्षेत्र के प्रधान राम बालक चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में 10 और 15 साल पुराने वाहन होंगे जब्त, प्रदूषण नियंत्रण के लिए बड़ा कदम

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक पब्लिक नोटिस जारी किया जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर खड़ी या चल रही कोई भी पुरानी गाड़ी बिना किसी पहले नोटिस के स्क्रैप कर दी जाएगी।

पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम

इस कदम का मकसद नेशनल कैपिटल में एयर पॉल्यूशन स्टैंडर्ड्स को सख्ती से लागू करना है। 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियां और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियां पुरानी गाड़ियों की कैटेगरी में आती हैं।

अपने नोटिस में, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने और अपनी गाड़ियों को शहर से बाहर ले जाने की रिक्वेस्ट की है। नोटिस में कहा गया है, 'दिल्ली में पब्लिक जगहों पर चल रही BS-III और कम एमिशन स्टैंडर्ड वाली पुरानी गाड़ियों को कानून के मुताबिक बिना किसी पहले नोटिस के जब्त करके स्क्रैप कर दिया जाएगा। ऐसी गाड़ियों के मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे उन्हें एनसीआर से बाहर ले जाने से पहले एनओसी ले लें।' ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने कहा कि शहर से पुरानी गाड़ियों को हटाने के लिए जल्द ही एक नया कैंपेन शुरू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में कुमार भास्कर बर्मा सेतु का किया उद्घाटन

● उपरी असम के मोरान हाइवे में वायुसेना के विमान से लैंडिंग।

मोरान में निर्मित नवनिर्मित श्वरस्त्र हाइवे लैंडिंग स्थल पर

रफाल,सुखोई,अर्जुन, अभिमन्यु, ए, एन 43, ए एल,एइस ने मचाया धूम।

खानपारा में बिजॉय बूथ संकल्प सभा में 30 हजारों से अधिक बुतकर्मियों को किया संबोधित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आज असम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई परियोजनाओं को लोकार्पित किया। लंबी समय से गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी को जोड़ने वाले लगभग 3,030 करोड़ नव निर्मित पुल को कामरूप के राजा कुमार भास्कर बर्मा के नाम पर उच्चार्ग कर शुभ उद्घाटन किया। इसके अलावा गुवाहाटी में 5,450 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण होने वाले कई परियोजनाओं को शिलान्यास किया,ढ्ढढ्ढरूके नई कैंपस शामिल है। इसके बाद प्रधान मंत्री ने वायु सेना के सी वन 13 विमान से डिब्रुगढ़ जिले की मोरान बाईपास में नव निर्मित श्वरस्त्र इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी, रोड में अवतरण किया । मोरान में मुख्यमंत्री हिम्मत बिस्वा शर्मा, केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने उन्हें स्वागत किया। इसके बाद वायु सेना की तरफ़ एयर चीफ़ मार्शल ए पी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वायु सेना की प्रतीक चिन्ह है स्वागत किया।

मोरान में प्रधान मंत्री के सामने वायु सेना की तरफ के रफाल,सुखोई,अर्जुन, अभिमन्यु, ए, एन 43, ए एल,एइस की आपातकालीन अवतरण कर दिखाई गई, युद्ध एवं आपातकालीन स्थिति में वायुसेना कैसे परिस्थियों पर नियंत्रण करते हैं उसका एक एक झलक दिखाया, जिसमें युद्ध क्षेत्रों से जख्मी जवानों को उद्धार हो या बाढ़ जैसे आपदा में मदद ओर राहत सामग्री वितरण जैसे कई कारनामे दिखाई।

जिसमें वायु सेना की तरफ से राफेल, सुखोई, ए एल एइस हेलिकाप्टर भी शामिल किया गया। दूसरी ओर शाम को प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी के खानपारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित बिजॉय बुत संकल्प सभा में 30 हजारों से अधिक बूथकर्मियों को किया संबोधित। जिसमें मोदी जी ने असम तथा पूर्वांचल के विकास को मुद्दे बनाकर विपक्ष को कड़ी आलोचना की, एवं असम के लोगों ने उन्हें दिया प्यार को ब्याज सहित विकास के तौर पर लौटने की भी भात की। सभा में असम के मुख्यमंत्री हिम्मत बिस्वा शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, संसद, विधायकों सहित, असम के हर जिले से पहुंचे 30 हजारों से अधिक बूथ कार्यकर्ता शामिल हुए।

श्रीभूमि जिले के सिपाछड़ा गाँव में न्याय के लिए भटक रही बेसहारा महिला

● महिला ने न्याय के लिए जिला पुलिस अधीक्षक (SP) का ध्यान आकर्षित किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता: श्रीभूमि जिला के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुल्लभछड़ा जीपी के सिपाछड़ा गाँव की 4 नंबर वार्ड निवासी बेसहारा महिला रंजू तेली ने न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए मीडिया के सामने अपनी व्यथा रखी। रंजू तेली अपने दिवंगत पति गैरी शंकर तेली पिछले लगभग 70 वर्षों से सिपाछड़ा गाँव में रह रही हैं। उनका आरोप है कि गाँव के ही कुछ लोगों–दीप नारायण गोयाला, टिंकू मालाह और निर्मल तेली–द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने गत 17 जनवरी को राताबाड़ी थाना में प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उन्होंने दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत की अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी से भी न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रंजू तेली के अनुसार, गत 12 फरवरी को विरोधियों के उकसावे पर रमाशंकर तेली के परिवार के सदस्यों ने उनके घर के एक हिस्से से लगभग 150 कीमती सुपारी और अन्य पेड़ों को धारदार हथियारों से काटकर अपने घर ले गए। हथियारों के भय के कारण वह उन्हें रोक नहीं सकीं। इसके बाद उन्होंने पुनः राताबाड़ी थाने में एफआईआर दर्ज कराई। हालांकि उनका आरोप है कि अब तक पुलिस प्रशासन या ग्राम पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। महिला ने बताया कि गत 20 अप्रैल 2021 को भी उक्त भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन उस समय पुलिस हस्तक्षेप के कारण आरोपियों को पीछे हटना पड़ा था। उनके पास उस एफआईआर की प्रति भी मौजूद है। ग्रामीणों की प्रतिक्रिया में बुजुर्ग महिला ने बताया कि रंजू तेली का परिवार लंबे समय से उस भूमि पर रह रहा है और उसका उपयोग करता आ रहा है। वहीं, ग्राम पंचायत अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी ने मीडिया को बताया कि उन्होंने दोनों पक्षों को आपसी समझौते से विवाद सुलझाने की सलाह दी थी, लेकिन संबंधित पक्षों ने उस पर ध्यान नहीं दिया। इस विषय में पीड़ित महिला ने न्याय के लिए जिला पुलिस अधीक्षक (SP) का ध्यान आकर्षित किया, ताकि जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

सामूहिक विवाह समारोह में 267 जोड़ों ने थामा एक- दूजे का हाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को बीएसए ग्राउंड में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 267 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन सहित कई जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कुल 358 पंजीकृत जोड़ों में से 267 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें 195 हिंदू, 55 बौद्ध और 31 मुस्लिम जोड़े शामिल थे। मुस्लिम समुदाय के 16 जोड़ों का निकाह हुआ, जबकि 15 जोड़े अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के नेतृत्व में कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की, ताकि नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारों को कोई असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 60 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 25 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री और 15 हजार रुपये बारात स्वागत पर खर्च किए गए हैं।

सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 6060 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत कराया जा चुका है। सांसद ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए रोजगार के अवसर प्रदान करने की भी घोषणा की,सभी विवाह उनके संबंधित धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराए गए। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार से, मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा और बौद्ध अनुयायियों का विवाह उनकी परंपरा के अनुसार हुआ। इस आयोजन में नौगढ़, बर्डपुर, उस्का बाजार, लोटन, जोगिया, शोहरतगढ़ और बढ़नी विकास खंडों के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्रों के जोड़े भी शामिल हुए।

बलिया में रिश्तों का कत्ल: पत्नी के उकसावे में बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट, दो भाई भी घायल

● बलिया में पत्नी के उकसाने पर बेटे ने पिता की चाकू मारकर हत्या, बचाने आए दो भाई घायल; 24 घंटे में दंपती गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। भगवानपुर में पारिवारिक कलह ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि पत्नी के उकसाने पर बेटे ने अपने ही पिता की चाकू मारकर हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए दो भाइयों पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी बेटे और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया तथा घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया। मृतक की पहचान लालजी यादव के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें सीएचसी सोनबरसा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हमले में घायल उनके बेटे राकेश यादव और गोविंद यादव को जिला चिकित्सालय बलिया रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी चिंता देवी की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप है कि उनके पुत्र मुकेश यादव ने अपनी पत्नी पुष्पा देवी के उकसावे में आकर पारिवारिक विवाद के दौरान चाकू से हमला किया। शनिवार को दोकटी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोनिया मोड़ से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया है। मामले की आगे की विधिक कार्रवाई जारी।

पुरानी रंजिश में महिला से मारपीट, दिल्ली के शाहबाद डेयरी से दो गिरफ्तार; बीच रास्ते में रोककर की थी पिटाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को शाहबाद डेयरी इलाके में एक अखाड़े के पास हुई झड़प के बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। यह घटना 12 फरवरी को हुई थी, जिसमें एक 24 वर्षीय महिला को कथित तौर पर बीच रास्ते में रोककर उसकी पिटाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में कोई सांप्रदायिक एंगिल सामने नहीं आया है। यह एक ही मोहल्ले में रहने वाले पड़ोसियों के बीच हुई झड़प थी। 12 फरवरी को शाहबाद डेयरी पुलिस थाने में झड़प की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घायल को पहले ही एमवी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। अस्पताल में घायल का एमएलसी (मेडिको-लीगल सर्टिफिकेट) तैयार किया गया, जिसमें चोटों को शारीरिक हमले के रूप में दर्ज किया गया। अस्पताल में शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय शिकायतकर्ता शाहबाद डेयरी की निवासी है। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 12 फरवरी को लगभग 6:30 बजे अखाड़े के पास झड़प हुई थी।

करोलबाग में सड़क पानी और जन सुविधा कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन विधायक विषेश रवि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली, करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। आम आदमी पार्टी के क्षेत्रीय विधायक विषय रवि के द्वारा क्षेत्र के पहाड़ गंज वार्डों में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। मंटोला में पीने का पानी पहुंचाने के लिए ऑनलाइन बूस्टर, प्रकाश मौहल्ला संगाताराशन, व रत्न गली मंटोला में सड़क निर्माण, और बसंत रोड एवं आराकाशा रोड में जन सुविधा काम्प्लेक्स के पुनर्निर्माण कार्य शामिल हैं। अब स्थानीय निवासियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी।यह कार्य पानी की समस्या को हल करने और जल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए किया गया है। वहीं लम्बे समय से जर्जर सड़क और गड्ढों की समस्या से परेशान स्थानीय निवासियों ने नई सड़क के बनने पर संतोष व्यक्त किया। लोगो का कहना है कि इस सड़क के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और दुर्घटनाओं की आशांका भी कम होगी। और साथ ही विधायक विषेश रवि ने स्थानीय निवासियों के लिए एक नए और आधुनिक जन सुविधा कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया है यह सुविधा आम जनता को एक ही धत के नीचे कई प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करेंगी। इसका उद्देश्य क्षेत्र में सुविधाओं को आधुनिक,कुशल और सुलभ बनाना है जो सरकारी कामकाज में तेजी लाएगा।यह सेवा स्थानीय निवासियों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि अब उन्हें अपनी फ़ाइलों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर विभागिये, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

इलाज के नाम पर लापरवाही का आरोप: इंजेक्शन के बाद बिगड़ी महिला की हालत, पति ने डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल जिले के बुढार क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। बुढार वार्ड क्रमांक 8 निवासी मनोहर लाल जगवानी ने थाना बुढार में लिखित शिकायत देकर डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर की लापरवाही और अभद्र व्यवहार के कारण उनकी पत्नी की हालत और बिगड़ गई, जिससे परिवार को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी।

शिकायत के अनुसार, 11 फरवरी 2026 की शाम करीब साढ़े सात बजे मनोहर लाल अपनी पत्नी बबिता जगवानी को इलाज के लिए बुढार स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उनके साथ बड़ा बेटा सतीश जगवानी और बहू नीता जगवानी भी मौजूद थे। मनोहर लाल का कहना है कि उनकी पत्नी को चक्कर आ रहे थे, इसलिए वे तत्काल डॉक्टर पियूष कुमार सिंह से इलाज कराने पहुंचे।

आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर के सहायक ने पहले बीपी और तापमान की जांच की, फिर पर्ची बनाकर फीस जमा करवाई गई। इसके बाद डॉक्टर ने बिना मरीज की पूरी समस्या सुने और बिना किसी जांच के भर्ती करने की बात कही। मनोहर लाल का कहना है कि उन्होंने डॉक्टर से निवेदन किया कि उनका घर पास में ही है और वे अगले दिन सुबह पत्नी को दोबारा जांच के लिए ले आएंगे, इसलिए अभी भर्ती न किया जाए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस बात पर डॉक्टर भड़क गए और आवेदक से अभद्र व्यवहार करने लगे। इसके बाद डॉक्टर ने ईसीजी, ब्लड टेस्ट और एक्स-रे के लिए भेज दिया। आरोप है कि रिपोर्ट आने से पहले ही डॉक्टर ने महिला को तीन इंजेक्शन लगा दिए, जिससे उनकी हालत और खराब हो गई। मनोहर लाल के अनुसार, इंजेक्शन लगने के बाद उनकी पत्नी को ज्यादा चक्कर आने लगे और आंखों के सामने धुंधलापन छा गया। जब इस स्थिति की जानकारी डॉक्टर को दी गई तो शिकायतकर्ता का आरोप है कि डॉक्टर ने नाराज होकर कहा कि 'जब मरने लगते हो तभी अस्पताल लेकर आते हो' और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि डॉक्टर ने मरीज को उसी हालत में बिना उचित इलाज के अस्पताल से जाने को कह दिया।

मनोहर लाल का कहना है कि डॉक्टर के इस व्यवहार और लापरवाही के कारण उनकी पत्नी की हालत और गंभीर हो गई। इसके बाद अगले दिन सुबह वे पत्नी को शहडोल लेकर गए, जहां दूसरे डॉक्टर से इलाज कराया गया। शिकायत के अनुसार, इंजेक्शन के कारण आज तक उनकी पत्नी की आंखों में तकलीफ बनी हुई है और वह साफ देख नहीं पा रही हैं।

आवेदक ने पुलिस से मांग की है कि डॉक्टर पियूष कुमार सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य मरीज के साथ इस प्रकार की घटना न हो। उन्होंने डॉक्टर पर लापरवाही और जानबूझकर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस द्वारा क्या कार्रवाई की गई है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मामला निजी अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था और मरीजों के साथ व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

डीएम ने सीएचसी में अव्यवस्थाएं देख एएनएम को दिया नोटिस मरीजों से लिया फीडबैक, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

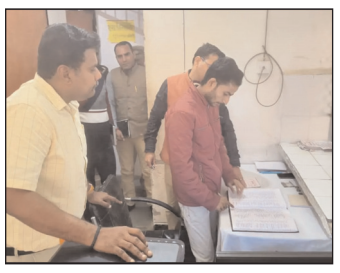

सीतापुर जनपद सीतापुर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजागणपति आर. ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोंदलामऊ का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लेते हुए कई अहम निर्देश जारी किए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड, भर्ती वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम, पैथोलॉजी, नेत्र सुरक्षा केंद्र, किचेन सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. धीरज मिश्रा से चिकित्सकों व स्टाफ की उपस्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अस्पताल में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, अवस्थापना सुविधाओं में सुधार और सभी स्थानों पर समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने डिलीवरी रजिस्टर की विस्तार से जांच की और निर्देश दिए कि बेडशीट नियमित रूप से बदली जाए, सभी अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म में रहें तथा डिलीवरी से संबंधित पूरा विवरण रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए उन्होंने यह भी कहा कि जन्म पंजीकरण प्रमाण-पत्र डिस्चार्ज के समय ही परिजनों को उपलब्ध कराया जाए। भर्ती मरीजों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन और नाश्ता दिए जाने, फैमिली प्लानिंग के मामलों में प्रभावी कार्यवाही तथा डिलीवरी के बाद समुचित काउंसलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए। फार्मेसी में जाकर उन्होंने दवाओं के रख-रखाव, कोल्ड चेन और अभिलेखों का निरीक्षण किया और मानकों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। मातृ सुरक्षा केंद्र में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रजिस्टर का अवलोकन किया और एक मरीज से दूरभाष पर बात कर फीडबैक लिया। वैक्सीनेशन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एएनएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। समग्र रूप से अस्पताल की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया!!

ताले में कैद मानसरोवर: गेट फांदकर मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालु

पुरातत्व विभाग ने बंद किए प्रवेश द्वार, हादसे का खतरा बढ़ा

तालबेहट। ऐतिहासिक भारतगढ़ दुर्ग के भीतर स्थित मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को अब अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। मु य प्रवेश द्वारों पर ताले लगने के कारण लोग गेट फांदकर या खतरनाक ढलान चढ़कर अंदर जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों ओर के बड़े दरवाजों पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा ताले लगा दिए गए हैं। पहले प्रतिदिन सैकड़ों लोग सुबह-शाम झील किनारे टहलने, स्नान-ध्यान करने और मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए आते थे, लेकिन बीते कुछ महीनों से प्रवेश बंद होने के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। ग्राउंड पर देखा गया कि श्रद्धालु लोहे के गेट पर चढ़कर अंदर प्रवेश कर रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि विधायक, सांसद और विभागीय अधिकारियों से कई बार सुबह-शाम निर्धारित समय पर गेट खोलने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। लोगों ने प्रशासन से जल्द सुरक्षित प्रवेश व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि आस्था और जनसुरक्षा दोनों बनी रह सकें।

रसड़ा में शराब दुकान के पास युवक की हत्या: पुरानी रंजिश में चाकू से गोदा, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रसड़ा/बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब देशी शराब की दुकान के पास एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना संवरा चट्टी की है, जहां वारदात के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बलिया-मऊ राजधानी मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। मृतक की पहचान गुरगुजपुर निवासी 40 वर्षीय सत्यप्रकाश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह संवरा चट्टी पर एक ठेले के पास खड़ा था, तभी कुछ लोगों से उसका विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बदमाशों ने सत्यप्रकाश के पेट में चाकू घोंप दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल सत्यप्रकाश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई ओमप्रकाश ने संवरा गांव के तीन नामजद व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने लगभग दो घंटे तक बलिया-मऊ मार्ग जाम रखा, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन बाधित रहा। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार शुक्ला, उपजिलाधिकारी रवि कुमार, क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार गुप्ता और प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।